महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(सत्र 2021-22)

कार्यक्रम-विवरण

Programme Details

1. **कार्यक्रम का नाम (Name of theProgramme) : हिंदी भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी में स्नातक**
2. **कार्यक्रम कोड (Code of theProgramme) : HLG**
3. **क्रेडिट (Credit) : 120**
4. **सेमेस्टर (Semesters) : 06**
5. **कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) : 03 वर्षीय कार्यक्रम हेतु**

सेमेस्टर	प्रकार (Type)	कोड (Code)	नाम (Name)	शिक्षक (Teacher)
प्रथम सेमेस्टर	मूल (core)	पाठ्यचर्या 1 (04 क्रेडिट) MALG-S1C1	भाषाविज्ञान : परिचय (Linguistics : An Itroduction)	-
		पाठ्यचर्या 2 (04 क्रेडिट) MALG-S1C2	स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान (Phonetics & Phonology)	
		पाठ्यचर्या 3 (04 क्रेडिट) MALG-S1C3	रूपविज्ञान (Morphology)	
	ऐच्छिक (elective)	पाठ्यचर्या 4 (02 क्रेडिट) MALG-S1C4	हिंदी भाषा और उसका व्याकरण (Hindi Language and its Grammar)	
		पाठ्यचर्या 5 (02 क्रेडिट) MALG-S1C5	भाषा: आधारभूत अवधारणाएँ (Language :Basic Concepts)	
द्वितीय सेमेस्टर	मूल (core)	पाठ्यचर्या 1 (04 क्रेडिट) MALG-S1C1	वाक्यविज्ञान-01 (Syntax-1)	
		पाठ्यचर्या 2 (02 क्रेडिट) MALG-S1C2	अर्थविज्ञान-01 (Semantics-01)	
		02 क्रेडिट	भाषा प्रौद्योगिकी : परिचय (Language Technology : An Introduction)	

		पाठ्यचर्या 3 (04 क्रेडिट) MALG-S1C3	अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान (Applied Linguistics)	
	ऐच्छिक (elective)	पाठ्यचर्या 4 (02 क्रेडिट) MALG-S1C4	भाषाविज्ञान की अंतरानुशासनिकता (Interdisciplinarity of Linguistics)	
		पाठ्यचर्या 5 (02 क्रेडिट) MALG-S1C5	काव्यभाषा (Poetic Language)	
तृतीय सेमेस्टर	मूल (core)	पाठ्यचर्या 1 (04 क्रेडिट) MALG-S2C1	वाक्यविज्ञान-02 (Syntax-02)	
		पाठ्यचर्या 2 (04 क्रेडिट) MALG-S2C2	प्रोक्ति-विश्लेषण और प्रकरणार्थविज्ञान (Discourse Analysis and Pragmatics)	
		पाठ्यचर्या 3 (04 क्रेडिट) MALG-S2C3	ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान (Historical & Comparative Linguistics)	
	ऐच्छिक (elective)	पाठ्यचर्या 4 (02 क्रेडिट) MALG-S2C4	भाषा प्रौद्योगिकी : संसाधन और उपकरण (Language Technology : Resources and Tools)	
		पाठ्यचर्या 5 (02 क्रेडिट) MALG-S2C5	भाषा और मीडिया (Language and Media)	
चतुर्थ सेमेस्टर पंचम सेमेस्टर	मूल (core)	पाठ्यचर्या 1 (04 क्रेडिट) MALG-S3C1	समाजभाषाविज्ञान (Sociolinguistics)	
		पाठ्यचर्या 2 (02 क्रेडिट) MALG-S3C2	मनोभाषाविज्ञान (Psycholinguistics)	
		पाठ्यचर्या 3 (02 क्रेडिट) MALG-S3C3	अर्थविज्ञान-02 (Semantics-02)	
		पाठ्यचर्या 4 (04 क्रेडिट) MALG-S3C4	भाषाविज्ञान का इतिहास (History of Linguistics)	
	ऐच्छिक (elective)	पाठ्यचर्या 5 (02 क्रेडिट) MALG-S3C5	भाषा प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग क्षेत्र (Applied Areas of Language Technology)	
		पाठ्यचर्या 6 (02 क्रेडिट) MALG-S3C6	हिंदी भाषा की संरचना (Structure of Hindi Language)	
		(02 क्रेडिट)	राजभाषा/राष्ट्रभाषा/ संपर्क भाषा	

		पाठ्यचर्या 7 MALG-S3C7	(Official Language/ National Language / Contact Language)	
	मूल (core)	पाठ्यचर्या 1 (04 क्रेडिट) MALG-S4C1	आधुनिक भाषावैज्ञानिक सिद्धांत और मॉडल (Modern Linguistic Theories & Models)	
		पाठ्यचर्या 2 (04 क्रेडिट) MALG-S4C2	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान (Cognitive Linguistics)	
		पाठ्यचर्या 3 (04 क्रेडिट) MALG-S4C3	कार्पस भाषाविज्ञान (Corpus Linguistics)	
	ऐच्छिक (elective)	पाठ्यचर्या 4 (04 क्रेडिट) MALG-S4C4	प्रोग्रामिंग और डाटाबेस प्रबंधन (Programming and Database Management)	
		पाठ्यचर्या 5 (04 क्रेडिट) MALG-S4C5	भाषा सर्वेक्षण (LanguageSurvey)	
		पाठ्यचर्या 6 (04 क्रेडिट) MALG-S4C6	शैलीविज्ञान (Stylistics)	
षष्ठ सेमेस्टर	मूल (core)	पाठ्यचर्या 1 (04 क्रेडिट) MALG-S3C1	भाषा शिक्षण (Language Teaching)	
		पाठ्यचर्या 2 (04 क्रेडिट) MALG-S3C2	कोशविज्ञान एवं कोशनिर्माण (Lexicology and Lexicography)	
		पाठ्यचर्या 3 (04 क्रेडिट) MALG-S3C3	भारतीय भाषा चिंतन (Indian Language Thought	
	ऐच्छिक (elective)	पाठ्यचर्या 4 (04 क्रेडिट) MALG-S3C4	पाइथन प्रोग्रामिंग और एन.एल.टी.के. (Python Programing and NLTK)	
		पाठ्यचर्या 5 (04 क्रेडिट) MALG-S3C4	भाषा नियोजन और भाषा प्रबंधन (Language Planning & Language Management)	
		पाठ्यचर्या 6 (04 क्रेडिट) MALG-S3C4	भाषा और जेंडर (Language and Gender)	
कुल योग		**84 क्रेडिट**		

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषाविज्ञान : परिचय
(Linguistics : An Introduction)

2. पाठ्यचर्या का कोड – LG-S1C1

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- I

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	02
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

भाषाविज्ञान पाठ्यचर्या में भाषा का स्वरुप, अवधारण एवं परिभाषा को सम्मिलित किया गया है। साथ ही भाषाविज्ञान के सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त पक्ष को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही अन्य क्षेत्रों के साथ भाषा के संबंधों को भी दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम

इस पाठ्यचर्या के सम्यक अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित बिंदुओं को गहराई से जान पाएंगे।

1. भाषाविज्ञान की अवधारण और स्वरूप
2. भाषाविज्ञान के प्रकार और भाषाविज्ञान के अंग
3. भाषाविज्ञान का अनुप्रयुक्त पक्ष
4. भाषा का अन्य विषयों से संबंध

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषाविज्ञान-अवधारण एवं स्वरूप**	**06**	**02**	**02**	**08**	**20%**
1.1	भाषाविज्ञान क्या है?	**2**				
1.2	भाषाविज्ञान की विषयवस्तु	**2**				
1.3	भाषाविज्ञान का सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त पक्ष	**2**				
1.4	भाषाविज्ञान की अंतरानुशासनिकता	**2**				
मॉड्यूल-2	**भाषाविज्ञान के प्रकार**	**06**	**02**	**02**	**08**	**20%**
2.1	वर्णनात्मक भाषाविज्ञान	**2**				
2.2	ऐतिहासिक भाषाविज्ञान	**2**				
2.3	तुलनात्मक भाषाविज्ञान	**2**				
मॉड्यूल-3	**भाषाविज्ञान के अंग**	**16**	**02**	**02**	**16**	**20%**
3.1	स्वनविज्ञान, स्वनिमविज्ञान	**3**				
3.2	रूपविज्ञान	**3**				
3.3	वाक्यविज्ञान	**4**				
3.4	प्रोक्ति विश्लेषण	**3**				
3.5	अर्थविज्ञान	**3**				

मॉड्यूल-4	**भाषाविज्ञान का अनुप्रयुक्त पक्ष**	**12**	**02**	**02**	**16**	**20%**
4.1	भाषा शिक्षण	**3**				
4.2	कोशविज्ञान	**3**				
4.3	अनुवाद	**3**				
4.4	कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान	**3**				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

1. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन	**मौखिकी**

(80%)			(20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.बोरा, राजमल, (2007), भाषाविज्ञान, दिल्ली: National Publishing house. 2.पाण्डेय, कैलाश नाथ, (2006),भाषाविज्ञान का रसायन, गाजीपुर: गाजीपुर साहित्य संसद. 3.शर्मा, देवेन्द्र, (2001), भाषाविज्ञान की भूमिका,नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन. 4.Lyons, J. (1981). Language and Linguistics. London: C.U.P. 5.David, C. (2010). The Cambridge Encyclopedia of Language. Cambridge: Cambridge University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1.शर्मा, राजमणि. (चतुर्थ संस्करण 2007). *आधुनिक भाषा-विज्ञान.* नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. 2.द्विवेदी, कपिलदेव. (2014). *भाषा-विज्ञान एवं भाषा -शास्त्र .* वाराणसी : विश्विद्यालय प्रकाशन . 3.Chomsky, N. (1986). Knowledge of Language: Its nature, origin, and use. New York: Praeger. 4.Fromkin, V., & Rodman, R. (1998). An Introduction to Language. 6th edn, Fort Worth: Harcourt Brace. 5.Harnish, R. M., ed. (1994). Basic topics in the philosophy of language. Englewood Cliffs, N.J.: Prentice-Hall. 6.Hymes, D. H., ed. (1964). Language in culture and society. New York: Harper and Row. 7.Block, B. & Trager, G. L. (1972). Outline of Linguistic analysis. New Delhi: Munshiram Manoharlal. 8.Bloomfield, L. (2012). Language. Delhi: Motilal Banarasi Das.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान (Phonetics and Phonology)

2. पाठ्यचर्या का कोड – LG-S1C2

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- I

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	08
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान पाठ्यचर्या में भाषा में प्रयुक्त ध्वनियाँ, उनका वर्गीकरण, विश्लेषण आदि से संबंधित कार्यों को शामिल किया गया है। इसके पहले मॉड्यूल में स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप

इसकी शाखाएँ, वागवयव, उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न को दिया गया है। दूसेर और तीसरे मॉड्यूल में खण्ड (स्वर/व्यंजन ध्वनियाँ) और खंडेतर ध्वनीयों का वर्गीकरण उच्चारण स्थान और प्रयत्न के आधार पर दिया गया है। चौथे मॉड्यूल में स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान के अंतर को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Outcome)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थियों में निम्नलिखित बिन्दुओं का विकास होगा -

1. विद्यार्थी, स्वनविज्ञान की परिभाषा, स्वरूप और शाखाओं से अवगत होंगे।
2. वागवयव और उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न के आधार पर स्वनिमों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी स्वर और व्यंजन ध्वनियों के अंतर को स्पष्ट रूप से समझ पाएंगे और खंडीय स्वनों का वर्गीकरण करने में समर्थ होंगे।
4. खंडीय स्वनों के अलावा भाषा में मात्रा, बलाघात, सुर, संहिता आदि खंडेतर स्वनों के अंतर को स्पष्ट रूप से समझ पाएंगे और इनका वर्गीकरण करने में समर्थ होंगे।
5. स्वन और स्वनिमों के अंतर को स्पष्ट रूप से समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**स्वनविज्ञान**	**10**	**0**3	**0**2	**15**	25%
1.1	स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप					
1.2	स्वनविज्ञान की शाखाएँ					
1.3	वागवयव					
1.4	उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न					
मॉड्यूल-2	**खंडीय स्वन**	10	03	02	15	25%
2.1	स्वर : परिभाषा एवं स्वरूप					
2.2	स्वर : वर्गीकरण के विविध आधार					
2.3	व्यंजन : परिभाषा एवं स्वरूप					
2.4	व्यंजन : वर्गीकरण के विविध आधार					
मॉड्यूल-3	**खंडेतर अभिलक्षण**	10	03	02	15	25%
3.1	दीर्घता (Length)					
3.2	बलाघात (Stress)					
3.3	सुर (Pitch)					
3.4	संहिता (Juncture)					
मॉड्यूल-4	**स्वनिमविज्ञान**	10	03	02	15	25%
4.1	स्वनिमविज्ञान का अर्थ					
4.2	स्वनिमविज्ञान की विषयवस्तु					
4.3	स्वनिम की अवधारणा					
4.4	स्वनिम, स्वन एवं संस्वन					
4.5	स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान					
मॉड्यूल-5	**स्वनिम विश्लेषण : दृष्टांत पाठ**	10	03	02	15	25%
5.1	एक पाठ लेकर उसमें से स्वन, स्वनिम और					

	संस्वन प्राप्त करना					
योग		40	12	08	60	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसरण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगम आदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2 ज्ञान	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4 कौशल्य	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7 रोजगार	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	-

टिप्पणी:

3. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. धल, ग. ब. (1961). *ध्वनिविज्ञान.* अलाहाबाद: यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी. 2. बोरा राजमल, (2007), भाषाविज्ञान, दिल्ली: National Publishing house. 3. 2.पाण्डेय, कैलाश नाथ, (2006),भाषाविज्ञान का रसायन, गाजीपुर: गाजीपुर साहित्य संसद. 4. शर्मा, देवेन्द्र, (2001), भाषाविज्ञान की भूमिका,नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन. 5. Lyons, J. (1981). Language and Linguistics. London: C.U.P. 6. Carr, P. (1993). *Phonology.* New York: St. Martin Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Roach, P. (1998). *English Phonetics and Phonology.* New York: Cambridge University Press . 2. Peter Ladefoged, K. J. (2011). *A Cource in Phonetics.* Washington : Wadsworth, Cengage Learning
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- रूपविज्ञान (Morphology)
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S1C3
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester)- I

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या में सर्वप्रथम रूपविज्ञान का परिचयदेते हुए रूपिम, रूप और संरूप की अवधारणाओं को बताया गया है। इसके पश्चात रूपिम के प्रकारों और रूपविज्ञान की शाखाओं को स्थान दिया गया है। आगे रूपिमिक वितरण, भारतीय और पाश्चात्य दृष्टि से किए गए शब्दभेद वर्गीकरण औरव्याकरणिक कोटियों को रखा गया है। अंत में व्युत्पादन और रूपसाधन की प्रक्रियाओं को स्थान दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- 'रूपिम, रूप और संरूप'की अवधारणाओं की स्पष्ट समझ।
- रूपिम के प्रकारों और रूपविज्ञान की शाखाओं का परिचय।
- शब्दभेदों और व्याकरणिक कोटियों का ज्ञान।
- व्युत्पादन और रूपसाधन की प्रक्रियाओं की समझ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	**रूपविज्ञान: परिचय**	**03**	**01**	**01**	**05**	
1.1	रूपविज्ञान क्या है?	01				
1.2	रूपविज्ञान की विषयवस्तु	02	01	01		
मॉड्यूल-2	**रूपिम, रूप और संरूप**	**07**	**01**	**01**	**09**	
2.1	रूपिम क्या है?	01				
2.2	रूपिम, रूप और संरूप	01				
2.3	रूपिम	01				
2.4		03	01	01		
मॉड्यूल-3	**रूपिम के प्रकार**	**04**	**01**	**01**	**06**	
3.1	मुक्त रूपिम और इसके प्रकार	02	01			
3.2	बद्ध रूपिम और इसके प्रकार	02		01		
मॉड्यूल-4	**शब्दभेद और व्याकरणिक कोटियाँ**	**04**	**02**	**02**	**09**	
4.1	शब्दभेद : भारतीय और पाश्चात्य वर्गीकरण वर्गीकरण	01	01	01		
4.2	व्याकरणिक कोटियाँ (लिंग, वचन, पुरुष, काल, पक्ष, वृत्ति, कारक और वाच्य)	01	01	01		
मॉड्यूल-5	**व्युत्पादन और रूपसाधन**	**07**	**02**	**03**	**12**	
5.1	उपसर्ग, प्रत्यय योग	01		01		
5.2	संधि	02	01			
5.3	समास	01				
5.4	विकारी और अविकारी शब्दवर्ग	01		01		
5.5	विकारी शब्द और रूपसाधन (पदसाधन)	02				
मॉड्यूल-6	**रूपिमिक विश्लेषण**	**04**				
6.1	एक पाठ से रूपिम, रूप और संरूप विश्लेषित करना	02		01		
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य- 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा			X	-

नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• उप्रैति, मुरारी लाल. (1964)हिंदी में प्रत्यय विचार. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर। • तिवारी, भोलानाथ. (). हिंदी की रूप-संरचना. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन। • तिवारी, भोलानाथ. (2004). हिंदी की शब्द-संरचना. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन। • Matthews, P. (1991). Morphology. 2ndedn, Cambridge: Cambridge University Press. • Matthews, P. H. (1972). Inflectional morphology. Cambridge: Cambridge University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• गुरू, कामताप्रसाद. (1997). हिंदी व्याकरण. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा. • वाजपेयी, किशोरीदास. (1998). हिंदी शब्दानुशासन. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा • Aronoff, M. (1976). Word formation in generative grammar. Cambridge, Mass: MIT Press. • Austin, J. L. (1962). How to do things with Words. Oxford: Oxford University Press. • Blakemore, D. (1992). Understanding utterances. Oxford: Blackwell. • Lyons, J. (1968). Introduction to theoretical Linguistics. London: C.U.P.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

*** *** ***

****

द्वितीय सेमेस्टर

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- वाक्यविज्ञान-01

2. पाठ्यचर्या का कोड – BLG- S2C1

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- I

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	05
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

रूपविज्ञान एवं वाक्यविज्ञान इस पाठ्यचर्या में रूपविज्ञान की परिभाषा एवं शाखाओं को दिया गया है। इसके साथ ही रूपिम, रूप और संरूपों को भी स्पष्ट किया गया है। इसके अलावा शब्द और शब्दांश, शब्द वर्ग, व्याकरणिक कोटियाँ एवं वाक्यविज्ञान के परिचय को यहाँ दिया गया है। इसके साथ ही वाक्यविज्ञान में वाक्य के प्रकारों को भी यहाँ पर स्पष्ट किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थी निम्नलिखित बिन्दुओं को गहराई से आत्मसात कर सकेंगे-

1. रूपविज्ञान : परिभाषा एवं शाखाएँ इसका अध्ययन करने से विद्यार्थियों में रूपिमिक विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
2. रूपिम, रूप और संरूप के अध्ययन से विद्यार्थियों में रूपिम, रूप एवं संरूप को परिभाषित करने की समझ विकसित होगी।
3. शब्द और शब्दांश का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में शब्द निर्माण प्रक्रिया की समझ विकसित होगी।
4. शब्दवर्ग और व्याकरणिक कोटियों के अध्ययन से छात्रों को विभिन्न व्याकरणिक कोटियाँ और शब्दवर्गों को परिभाषित और विश्लेषित करने की समझ विकसित होगी।
5. वाक्य : परिभाषा और प्रकार के अध्ययन करने से छात्र वाक्य के अंग, वाक्य के प्रकार और वाक्य रचना के तत्व आदि का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**वाक्य : परिचय**	08	03	01	12	20%
1.1	वाक्य की परिभाषा					
1.2	वाक्य के अंग (उद्देश्य, विधेय)					
1.3	वाक्य की आवश्यकताएँ- आकांक्षा, योग्यता और सन्निधि					
मॉड्यूल-2	**वाक्य रचना के तत्व**	08	03	01	12	20%
2.1	पद, पदबंध और उपवाक्य					
2.2	क्रिया और कारकीय संबंध					
2.3	अर्थ-संगति					
2.4	वाक्य रचना और अध्याहार					
मॉड्यूल-3	**वाक्यविज्ञान : परिचय**	08	03	01	12	20%

3.1	वाक्यविज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप					
3.2	वाक्यविज्ञान की विषयवस्तु					
3.3	वाक्यविज्ञान और रूपविज्ञान					
मॉड्यूल-4	**वाक्यविज्ञान की विषयवस्तु**	08	03	01	12	20%
4.1	पदबंध : स्वरूप एवं प्रकार					
4.2	उपवाक्य : स्वरूप एवं प्रकार					
4.3	वाक्य : स्वरूप एवं प्रकार					
मॉड्यूल-5	**प्रायोगिक वाक्य विश्लेषण**	08	03	01	12	20%
5.1	एक दृष्टांत पाठ लेकर उसमें विभिन्न प्रकार के पदबंध, उपवाक्य और वाक्य विश्लेषित करना					
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसरण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगम आदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

1. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. अग्निहोत्री, रमाकांत. (2013). *हिंदी: एक मौलिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. 2. काचरू, यमुना. (1980). *हिंदी का समसामयिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : मैकमिलन. 3. कालरा, सुधा. (1971). *हिंदी वाक्य विन्यास*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन. 4. गुरु, कामता प्रसाद. (1997). *हिंदी व्याकरण*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा. तिवारी, भोलानाथ. (1979). *हिंदी भाषा की संरचना*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1995). *हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन. 2. सहाय, चतुर्भुज. (1979). *हिंदी वाक्यसंरचना*. वाराणसी : संजय बुक सेंटर. 3. सिंह, सूरजभान. (2000). *हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण*. दिल्ली : साहित्य सहकार. 4. Kachru, Yamuna. (2006). *Hindi*. Amsterdam: John Benjamin Publishing Company. 5. Kaul, Omkar Nath. (2006). *Modern Hindi Grammar*. Springfield, USA: Dunwoody Press. McGregor, R. S. (1972). *Outline of Hindi Grammar*. Delhi: OUP.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

1. पाठ्यचर्या का नाम- अर्थविज्ञान

2. पाठ्यचर्या का कोड – BALG- S3C2

3. क्रेडिट (Credit) - 02

4. सेमेस्टर (Semester)- I

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	18
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

अर्थविज्ञान पाठ्यचर्या में अर्थ की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए अर्थ के प्रकारों को सम्मिलित किया गया है। इसके साथ ही कोशीय अर्थविज्ञान के साथ अर्थ प्रतिपादन के स्तरों को भी शामिल किया गया है। तथा अंतिम मॉड्यूल में अर्थ के संकेतप्रयोगवैज्ञानिक पक्ष को भी इस पाठ्यचर्या में सम्मिलित किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम

इस पाठ्यचर्या का अध्ययन करने से विद्यार्थी निम्नलिखित बिन्दुओं को जान सकेंगे -

1. विद्यार्थी अर्थ की अवधारण से अवगत होंगे।
2. भाषा में शब्द, वाक्य और उनके अर्थ निर्धारण की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
3. विद्यार्थी अर्थ प्रतिपादन के स्तरों को आत्मसात कर पाएंगे।
4. विद्यार्थी अर्थ के संकेतप्रयोगवैज्ञानिक पक्ष से भी अवगत होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**अर्थ : विविध आयाम**	**04**	**02**	**01**	**07**	**25%**
1.1	अर्थ की संकल्पना					
1.2	अर्थ के प्रकार – वर्णनात्मक, भावात्मक और संवेगात्मक					
1.3	आशय एवं प्रसंग					
1.4	वाच्यार्थ, लक्ष्यार्थ एवं व्यंजनार्थ					
मॉड्यूल-2	**अर्थविज्ञान**	**05**	**02**	**01**	**08**	**25%**
2.1	पर्यायता (Synonymy)					
2.2	अनेकार्थता (Polysemy)					
2.3	विलोमता (Antonymy)					
2.4	समनामता (Homonymy)					
2.5	अधिनामिता और अवनामिता (Hypernymy & Hyponymy)					
मॉड्यूल-3	**अर्थ प्रतिपादनके स्तर**	**05**	**02**	**01**	**07**	**25%**
3.1	शब्द (Word)					
3.2	प्रकृति और प्रत्यय (Base and Suffix)					
3.3	बहुशब्दीय अभिव्यक्तियाँ (Multi-Word					

	Expressions)					
3.4	वाक्य					
3.5	प्रोक्ति और पाठ (Discourse and Text)					
मॉड्यूल-4	**अर्थ का प्रकरणार्थवैज्ञानिक पक्ष**	**04**	**02**	**01**	**08**	**25%**
4.1	पूर्वमान्यता (Presupposition)					
4.2	अनुलग्नता (Entailment)					
4.3	निहितार्थ (Implicature)					
4.4	वाक् घटनाएं (Speech Acts)					
योग		**18**	**08**	**04**	**30**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

3. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Fodor, J.D. 1977. Semantics: Hillsdale, N.J. : Lawrence Erlbaum Associates. 2. Fodor, J. D. 1977. Semantics : Theories of Meaning in Generative Grammar. New York : Crowell. 3. Jackendoff, R. 1972. Semantic Interpretation in Generative Grammar. Cambrideg, Mass.: MIT Press. 4. Lyons, J. 1977. Semantics. 2 vols. Cambridge: Cambridge University Press. 5. Platts, M. 1979, Ways of meaning. London: Routledge and Kegan Paul. 6. HkkykukFk frokjh] fgnh Hkk"kk dh vkFkh ljpuk.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Stephen C. Levinson, Pragmatics. 2. Leech, Geoffrey (1974) *Semantics,* London, Penguin. 3. Matthews Peter (1979) *Generative Grammar and Linguistic Competence,* London, Allen & Unwin. 4. Matthews Peter (1981) *Syntax,* Cambridge, Cambridge University Press. 5. Kempson, R. 1977. Semantic Theory. Cambridge: Cambridge University Press. 6. Lehrer, K., and A. Lehrer, eds. 1970. Theory of Meaning. Englewood Cliffs, N.J. : Prentice-Hall. 7. Lepore, E., ed. 1987. New Directions in Semantics. New York : Academic Press
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

घटक	**घंटे**

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषा प्रौद्योगिकी : परिचय
(Language Technology : An Itroduction)

2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S2C1

3. क्रेडिट (Credit) - 02

4. सेमेस्टर (Semester)- IV

कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**05**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भाषा और प्रौद्योगिकी के संयोग से उत्पन्न नवीन क्षेत्र 'भाषा प्रौद्योगिकी' से विद्यार्थियों का परिचय कराती है। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम भाषा प्रौद्योगिकी की अवधारणा और स्वरूप की बात करते हुए प्राकृतिक भाषा संसाधन की अवधारणा और इसकेप्रकारों का समावेश किया गया है। चूँकि प्राकृतिक भाषा संसाधन की प्रक्रिया मशीन (कंप्यूटर) पर संपादित की जाती है, इसलिए आगे इसकी मशीनी प्रक्रिया की बात करते हुए अगले मॉड्यूल में प्राकृतिक भाषा संसाधन केअनुप्रयोग क्षेत्रों का परिचय दिया गया है। अंत में प्राकृतिक भाषा संसाधन हेतु आवश्यक मशीनी और भाषायी इकाइयों/व्यवस्थाओं की ओर संकेत किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- भाषा प्रौद्योगिकी की अवधारणा और स्वरूप का ज्ञान होना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन की अवधारणा और इसकेप्रकारों का परिचय होना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन की मशीनी प्रक्रिया और इसके लिए आवश्यक मशीनी और भाषायी इकाइयों/व्यवस्थाओं का बोध होना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन केअनुप्रयोग क्षेत्रों से परिचित होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला**		
मॉड्यूल-1	**भाषा प्रौद्योगिकी: अवधारणा और स्वरूप**					
1.1	भाषा प्रौद्योगिकी: अवधारणा (Language Technology :Concept)					
1.2	भाषा प्रौद्योगिकी: लक्ष्य एवं वर्तमान सीमाएँ (Language Technology : Targets and Current Limitations)					
1.3	भाषा प्रौद्योगिकी का वर्तमान परिदृश्य: भारतीय एवं वैश्विक (Current aspects of LT : Indian and Global Perspectives)					
1.4	भाषा प्रौद्योगिकी और अन्य संबंधित विषय (Language Technology and other related Disciplines)					
मॉड्यूल-2	**प्राकृतिक भाषा संसाधन : अवधारणा और प्रकार**					
2.1	प्राकृतिक भाषा संसाधन: अवधारणा(Natural Language Processing:Concept)					
2.2	पाठ संसाधन (Text Processing), वाक् संसाधन (Speech Processing)					
2.3	शब्द संसाधन (Word-processing), वाक्य संसाधन (Sentence Processing), पाठ संसाधन (Text Processing)					

2.4	नियम आधारित (Rule Based) औरकार्पस आधारित (Corpus Based) उपागम					
2.5	विश्लेषण (Analysis) और प्रजनन (Generation)					
मॉड्यूल-3	**भाषा प्रौद्योगिकी : अनुप्रयोग क्षेत्र**					
3.1	मशीनी अनुवाद (Machine Translation)					
3.2	पाठ से वाक् और वाक् से पाठ (TTS & STT)					
3.3	ओ.सी.आर. (OCR)					
3.4	संगणकीय कोश (Computational lexicon)					
3.5	लिप्यंतरण (Transliteration)					
3.6	सूचना प्रत्यानयन (Information Retrieval)					
3.7	पाठ सारांशीकरण (Text Summarization)					
3.8	संगणक साधित भाषा अधिगम/शिक्षण (CALLearning/Teaching)					
3.9	प्रश्न उत्तर प्रणालियाँ (Question Answering Systems)					
3.10	कृत्रिम बुद्धि (Question Answering Systems)					
योग						

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य- 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति			X	-

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/	

		प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Bharati, A. Chaitanya, V. &Sangal, R. (1995). *Natural Language Processing: A Paninian perspective*. New Delhi: Prentice-Hall of India. • Jurafsky, D. & Martin, J.H. (2008). *Speech and language processing: an introduction to natural language processing, computational linguistics, and speech recognition*. N.J.: Pearson. • NPTEL: Prof. Pushpak Bhattacharya online course on NLP • प्रसाद, धनजी. (2019). हिंदी का संगणकीय व्याकरण, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन।
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Bird, S., Klein, E. &Loper, E. (2009). *Natural Language Processing with Python Analyzing Text with the Natural Language Toolkit*. Sebastopol: O' Railly Media. • Date, C.J. (2003). *An Introduction to Database Systems*. Boston: Addison-Wesley. • Heinrich, S. ed. (1999). *Foundations of Statistical Natural Language Processing*. Cambridge: MIT Press. • Silberschatz, A., Korth, H. & Sudarshan, S. (2010). *Database System Concepts*. N.Y.: McGraw-Hill Education. • XTAG REPORT, http://www.cis.upenn.edu/~xtag/ • प्रसाद, धनजी. (2011). भाषाविज्ञान का सैद्धांतिक, अनुप्रयुक्त एवं तकनीकी पक्ष. नई दिल्ली :प्रिय साहित्य सदन. • मल्होत्रा, विजय कुमार. (1998). *कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग*.नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

1. पाठ्यचर्या का नाम- अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान (Applied Linguistics)

2. पाठ्यचर्या का कोड – BALG-S1C2

3. क्रेडिट (Credit) - 02

4. सेमेस्टर (Semester)- I

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	02
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

भाषाविज्ञान में रूचि रखनेवाले शिक्षार्थियों को केंद्र में रखकर इस पाठ्यचर्या का निर्माण किया गया है। इस पाठ्यचर्या में भाषाविज्ञान के अनुप्रयुक्त क्षेत्र को विस्तृत रूप में स्पष्ट किया गया है| इसमें भाषाशिक्षण, कोशविज्ञान, अनुवाद, कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान और शैलिविज्ञान आदि को विस्तार से समझाया गया है| ये सभी क्षेत्र भाषाविज्ञान के अनुप्रयोग के क्षेत्र हैं|

अपेक्षित अधिगम परिणाम

इस पाठ्यचर्या के सम्यक अध्ययन के उपरांत विद्यार्थियों में भाषा शिक्षण की समझ विकसित होगी| विद्यार्थियों को कोशविज्ञान की सामान्य जानकारी प्राप्त होगी| इसके अलावा विद्यार्थी अनुवाद की प्रक्रिया से परिचित होंगे| साथ ही कंप्यूटर में भाषा के अनुप्रयोग की समझ भी विद्यार्थियों में विकसित हो सकेगी| विद्यार्थियों में शैलिविज्ञान की सामान्य समझ विकसित होगी|

ज्ञान/ बोध संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
✓	✓	-

1. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान का अर्थ**					**20%**
1.1	अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान का अर्थ					
1.2	सैद्धांतिक भाषाविज्ञान और अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान में संबंध और अंतर					
1.3	अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान का महत्व					
1.4	अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान के पक्ष : व्यावहारिक, अंतरानुशासनिक, तकनीकी					**20%**
मॉड्यूल-2	**भाषा शिक्षण**					
2.1	भाषा शिक्षण और भाषा- मातृभाषा, प्रथम भाषा, द्वितीय भाषा, विदेशी भाषा					**20%**
2.2	भाषा कौशल : सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना					
2.3	भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियाँ- व्याकरण, व्याकरण अनुवाद, प्रत्यक्ष,					
2.4	भाषा शिक्षण प्रक्रिया- पाठ्यचर्या निर्माण, सामग्री निर्माण, शिक्षण, परीक्षण और मूल्यांकन					
मॉड्यूल-3	**अनुवाद**					
3.1	भाषाविज्ञान और अनुवाद					
3.2	अनुवाद : प्रकृति, प्रकार, क्षेत्र					
3.3	अनुवाद की प्रक्रिया					
मॉड्यूल-4	**कोशविज्ञान**					**20%**
4.1	कोश : स्वरूप एवं प्रकार					
4.2	कोश निर्माण की प्रक्रिया					
4.3	कोशीय प्रविष्टि					
मॉड्यूल-5	**समाजभाषाविज्ञान और**					**20%**

	मनोभाषाविज्ञान					
5.1	अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान के संदर्भ में समाजभाषाविज्ञान					
5.2	अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान के संदर्भ में मनोभाषाविज्ञान					
मॉड्यूल-6	**शैलीविज्ञान**					
6.1	शैलीविज्ञान क्या है?					
6.2	शैलीविज्ञान के संदर्भ भाषाविज्ञान और साहित्य					
6.3	शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण					
मॉड्यूल-7	**भाषा प्रौद्योगिकी**					
7.1	भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी					
7.2	प्राकृतिक भाषा संसाधन : स्वरूप एवं प्रकार					
7.3	भाषा प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग क्षेत्र					
योग						**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अनुभवमूलक
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, ट्यूटोरियल
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**)
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

5. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

	मूल्यांकन				
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।